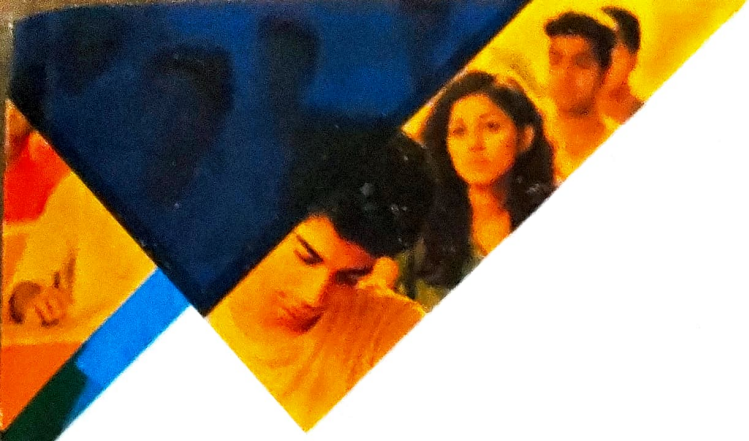

विद्या ददाति विनयम्

PROSPECTUS

राघव महाविद्यालय

सम्बद्ध - वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.)

रायपुर, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर

प्रबंधक की कलम से

कपिल मुनि गुप्त

संस्थापक / प्रबंधक
निवर्तमान नगरपालिका चेयरमैन
मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर

कहा जाता है कि व्यक्ति कल्पवृक्ष के नीचे जाकर जो कामना अर्पित कर देता है, कल्पवृक्ष उस कामना को सम्बन्धित व्यक्ति के लिये साकार कर देता है। प्रश्न यह है कि इस संसार में भी क्या कोई ऐसी साधना है जिससे हम कल्पवृक्ष के फल को प्राप्त कर सकें? तो प्रस्तुत प्रश्न का उत्तर यदि हम एक ही शब्द में देना चाहें तो वह उत्तर है "विद्या" अर्थात् विद्या संसार में कल्पवृक्ष है। विद्या के द्वारा ही संसार के समस्त पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ काम एवं मोक्ष तक सुगमता से प्राप्त किये जा सकते हैं। अतः नीति ग्रन्थों की विद्यापरक सूक्तियों में -

"किं किं न साधयति कल्पलतेव विद्या"

अत्यन्त हृदयस्पर्शी है।

जब मुझे समाज के लोगों ने नगर पालिका 'चेयरमैन' का पद प्रदान करते हुए सामाजिक सेवा का सु-अवसर प्रदान किया तब सामाजिक सेवा से प्राप्त संतोष एवं आत्मसुख ने मुझे कुछ और करने की प्रेरणा प्रदान की। विद्यालय में शिक्षा का समारम्भ गंगा की अविरल धारा के समान सेवा प्रदान करने का उत्तम सामाजिक सु-अवसर है" उक्त तथ्य मेरे मन में बार-बार गूँजने लगा। सर्वनियन्ता परमात्मा ने मुझे वह दिव्य अवसर प्रदान कर ही दिया। आज 'राघव महाविद्यालय, रायपुर, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर शिक्षा एवं विज्ञान संकाय के माध्यम से समाज की सेवा करने लिये तत्परता पूर्वक समुद्यत है।

प्रस्तुत महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं हेतु उत्तम शिक्षा-व्यवस्था का परिपूर्ण प्रयत्न किया जा रहा है। उक्त क्रम में उत्तम अनुभवी एवं योग्य असिस्टेंट प्रोफेसर्स के चयन का प्रयास है। उत्तम पुस्तकालय की व्यवस्था है जहाँ अद्यतन सन्दर्भ-ग्रन्थ, पाठ्यपुस्तकें, पत्रिकाएँ एवं समाचार पत्र सुलभ हैं। हमारा पूर्ण प्रयास है कि छात्र-छात्राएँ विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ-साथ नैतिक एवं संस्कार परक शिक्षा भी प्राप्त कर सकें, जिससे आदर्श परिवार, समाज एवं फलतः सुन्दर राष्ट्र का निर्माण हो सके। एतदर्थ प्रतिदिन एक छोटे से कालांश में नैतिक शिक्षा प्रदान की जायगी। महाविद्यालय का स्वच्छ वातावरण, पवित्र परिसर एवं परिसर को स्वच्छ एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत करने वाली व्यवस्थाएँ यहाँ प्रत्यक्षतः देखी जा सकती हैं। आशा है क्षेत्र एवं समाज का आशीर्वाद हमें पूर्ववत् प्राप्त होता रहेगा।

शुभ संदेश

मैं राघव महाविद्यालय, रायपुर, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर के मंगलमय भविष्य की अनवरत कामना करता हूँ। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रस्तुत महाविद्यालय निरन्तर प्रयास करता रहेगा, यही महाविद्यालय परिवार का एक मात्र कर्तव्य होगा।

डॉ. चन्द्रशेखर तिवारी
एम.ए. (संस्कृत) डी.फिल्.
इलाहाबाद विश्वविद्यालय

संक्षिप्त परिचय

राघव महाविद्यालय, रायपुर, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर प्रयागराज से जौनपुर मार्ग पर स्थित मुँगरा बादशाहपुर से सुजानगंज वाली मुख्य सड़क पर लगभग सात किलोमीटर दूरी पर ग्रामीण अंचल में अवस्थित है। प्रस्तुत महाविद्यालय वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध है। महाविद्यालय से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर ही बादशाहपुर रेलवे स्टेशन है।

भवन-व्यवस्था

महाविद्यालय सुसज्जित कक्षों से दर्शनीय है भवन के कक्ष बड़े होने के कारण हवादार हैं तथा सुन्दर फर्नीचर एवं पंखों की सुविधा से युक्त हैं। महाविद्यालय का पुस्तकालय संदर्भ ग्रन्थों, पाठ्यपुस्तकों, आधुनिकतम – पत्रिकाओं तथा वाचनालय से आकर्षक है। छात्र/छात्राओं हेतु पृथक्-पृथक् स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था है। साथ-साथ स्वच्छ जल पीने हेतु एक बड़ी आर.ओ. मशीन स्थापित है जिससे विद्यार्थी स्वच्छ जल पीने से स्वस्थ एवं निरोग रह सकें।

प्रवेश व्यवस्था

महाविद्यालय में बी.ए. प्रथम वर्ष एवं बी.एससी. प्रथम वर्ष की कक्षाओं में प्रवेश हेतु निर्धारित आवेदन पत्र नियमानुसार प्रपूरित करके कार्यालय में जमा करना होता है। एतदर्थ छात्र/छात्राओं को हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की प्रमाणित अंकतालिका की छायाप्रति, स्थानान्तरण प्रमाणपत्र (टी.सी.) एवं चरित्र प्रमाण-पत्र संलग्नक के रूप में जमा करना चाहिये। प्रवेश हेतु छात्र/छात्राओं को विलम्ब नहीं करना चाहिये। छात्र/छात्राओं के विषय परिवर्तन भी नियमानुसार किये जाते हैं।

उपलब्ध विषय – कला संकाय

1. हिन्दी (Hindi)
2. संस्कृत (Sanskrit)
3. भूगोल (Geography)
4. प्राचीन इतिहास (Ancient History
5. गृह विज्ञान (Home Science)
6. समाज शास्त्र (Sociology)
7. शिक्षा शास्त्र (Education)

विज्ञान संकाय

1. रसायन विज्ञान (Chemistry)
2. भौतिक विज्ञान (Physics)
3. गणित (Maths)
4. प्राणि विज्ञान (Zoology)
5. वनस्पति विज्ञान (Botany)

उपर्युक्त पाठ्य विषयों के अतिरिक्त महाविद्यालय में प्रति कार्य दिवसों में नैतिक शिक्षा की व्यवस्था है तथा समय-समय पर छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व के समग्र विकास हेतु अनेक विध कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायँगे।

अनुशासन-व्यवस्था

विद्या प्राप्ति का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करना ही नहीं बल्कि संस्कार एवं अनुशासित जीवन भी प्राप्त करना है। संस्कार एवं अनुशासित जीवन के बिना शिक्षा व्यर्थ है। प्रायः डिग्रीधारी तो सुलभ हो जाते हैं परन्तु ऐसा व्यक्तित्व जिसमें शिक्षा का उद्देश्य समाहित हो दुर्लभ है। प्रस्तुत महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं के समग्र विकास हेतु उन्हें अनुशासित करने हेतु प्रयास किये जायँगे, इसके लिये महाविद्यालय में नैतिक शिक्षा के साथ अनुशास्ता मंडल का गठन होगा जो छात्र/छात्राओं की समग्र चेष्टाओं को अनुशासित करने का प्रयास करेंगे।

परिचय-पत्र

छात्र/छात्राओं का यह कर्तव्य होगा कि वे महाविद्यालय कार्यालय से अपना परिचय-पत्र प्राप्त करलें। महाविद्यालय में परिचय पत्र के बिना प्रवेश अनुशासनहीनता है। अतः अपना परिचय पत्र अपने साथ सदैव रखें। यह विशेष ध्यान देने योग्य है कि बिना परिचय पत्र के महाविद्यालय की कोई सुविधा प्राप्त नहीं हो सकती है परिचय पत्र खो जाने पर इसकी सूचना अनुशास्ता मंडल को देना अनिवार्य है।

उपस्थिति

छात्र/छात्राओं का कर्तव्य है कि वे अपने सुयोग्य शिक्षकों से पूर्ण लाभ प्राप्त करें। महाविद्यालय में अधिकांशतः उपस्थिति के बिना पूर्णलाभ संभव नहीं है। छात्र/छात्राओं को यह निर्देश भी दिया जाता है कि वे अपनी उपस्थिति का समुचित प्रतिशत बनाये रखें जिससे उन्हें विश्व विद्यालयीय परीक्षा में सम्मलित होने में कोई परेशानी न हो।

काउंसिलिंग - व्यवस्था

प्रायः छात्र/छात्राएँ विषयों की उपयोगिता नहीं समझ पाते। अतः महाविद्यालय में विषयों की उपयोगिता के साथ-साथ किस विषय के साथ कौन सा विषय होना अनिवार्य है, एतदर्थ नियमानुसार जागरुक किया जायगा तथा छात्र/छात्राओं के अध्ययन का भविष्य विकासोन्मुखी हो इसका पूर्ण प्रयत्न किया जायेगा।

राघव महाविद्यालय

सम्बद्ध - वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.)

रायपुर, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर मो0: 9918673601, 7897567383

शुल्क विवरण

Sn.No.	Course	Semester/Year	Fee/Semester
1.	B.A.	6	3500
2.	B.Sc.	6	4000